श्री अन्न समाचार पत्र

हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर, वरंगल

अंक - 264 अक्तूबर, 2025

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

प्रधानमंत्री-धन धन्या कृषि योजना तथा दलहन मिशन के शुभारंभ हेतु किसानों -वैज्ञानिकों की एकजुटता

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 11 अक्तूबर 2025 को प्रधानमंत्री-धन धान्य कृषि योजना तथा दालों में मिशन आ त्मनिर्भरता के शुभारंभ के साथ

देशभर में किसान-वैज्ञानिक एकजुटता एवं श्री अन्न प्रोत्साहन सभा का आयोजन किया। कार्यक्रम में श्री कोडा विश्वेश्वर रेड्डी, सांसद-चेवेल्ला, तेलंगाना, डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के अलावा कई राज्यों के वैज्ञानिकों, किसानों और किउसं सदस्यों की कार्यक्रम स्थल पर और आभासी रूप में सक्रिय भागीदारी रही।

इस कार्यक्रम में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित कर्नाटक किउसं के 672 सदस्य तथा आंध्र प्रदेश किउसं के 1,020 किसान शामिल कुल 1,992 किसानों ने आभासी रूप में भाग लिया, जबकि तेलंगाना और पड़ोसी राज्यों के 300 किसानों ने भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रधानमंत्री के संबोधन के सीधे प्रसारण के दौरान खेती में परिवर्तन हेतु सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया। डॉ. संगप्पा, डॉ. रफी एवं श्री प्रशांत ने श्री अन्न प्रौद्योगिकी तथा सटीक कृषि पर परस्पर वार्ता सत्र का समन्वय किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025

केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) और भाकृअनुप के निर्देशानुसार, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में 27 अक्तूबर, 2025 को पूर्वाह्न 11:00 बजे सत्यनिष्ठा शपथ लेकर, 27 अक्तूबर से 2 नवंबर 2025 तक "सतर्कता : हमारा साझा दायित्व" विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इसी तरह सोलापुर तथा गुडामलानी स्थिति क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों में भी शपथ ली गई। स्टाफ में जागरूकता और दायित्व की भावना बढ़ाने हेतु निबंध लेखन, भाषण, प्रश्नमंच एवं पोस्टर प्रस्तुतीकरण जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

कार्यालय के अलावा, विद्यालयों एवं ग्राम सभाओं में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। 29 अक्तूबर, 2025 को स्प्रिंग फील्ड्स हाई स्कूल, राजेंद्रनगर के छात्रों हेतु एक जागरूकता कार्यक्रम किया गया। भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिकों ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन के उपायों तथा जागरूक नागरिकों की भूमिका के बारे में बताया। किउसं कर्मचारियों तथा किसानों के बीच नैतिक व्यवहार को बढ़ावा देने हेतु भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं हैदराबाद और पालमुरु वेजिटेबल फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने 31 अक्तूबर, 2025 को टंकारा गांव में एक संयुक्त कार्यक्रम किया।

संस्थान में 3 नवंबर 2025 को आयोजित समापन समारोह के दौरान निदेशक ने कर्मचारियों को पारदर्शिता बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताया और काम में अनुशासन की आवश्यकता पर बल दिया।

परिवर्तित दृष्टिकोण : मेघालय के अधिकारियों द्वारा भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में श्री अन्न नवोन्मेष का अवलोकन

मैनेज के इंडक्शन ट्रेनिंग कार्यक्रम के भाग के रूप में, भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में 6 अक्तूबर 2025 को मेघालय कृषि सेवा में नए भर्ती हुए अधिकारियों लिए एक दिन का ज्ञानवर्धक दौरा आयोजित किया गया। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने भाश्रीअनुसं के अनुसंधान, पोषण सुरक्षा तथा श्री अन्न मूल्य शृंखला को सुदृढ़ करने

के दृष्टिकोण के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। परस्पर चर्चा के दौरान यह बताया गया कि श्री अन्न आधारित प्रणाली किसानों को मज़बूती तथा मृदा सेहत को बेहतर बनाती है। श्री अन्न प्रसंस्करण एवं प्रशिक्षण एकक में डॉ. रफ़ी ने कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी का महत्व बताया। इस सत्र ने सहभागियों को जलवायु लचीली कृ षि हेतु श्री अन्न को उपयुक्त उपकरण के रूप में प्रस्तुत करने हुए प्रेरित किया।

ओडिशा में उद्यमिता के माध्यम से श्री अन्न मूल्य शृंखलाओं का सुदृढ़न

भाश्रीअनुसं ने ओडिशा में श्री अन्न मूल्य शृंखला को सुदृढ़ करने तथा श्री अन्न उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 7-10 अक्तूबर 2025 के दौरान ओडिशा श्री अन्न अभियान के अंतर्गत 24 हितधारकों के लिए कटाई उपरांत तथा प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों का अंगीकरण पर चार दिवसीय गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजि त किया। उद्घाटन सत्र में डॉ. सी तारा सत्यवती ने कटाई उपरांत प्रबंधन के महत्व पर बल दिया। सहभागियों को श्री अन्न उत्पादन तथा कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी, प्राथमि क एवं द्वितीय प्रसंस्करण तकनीक तथा मूल्यवर्धन में अवसरों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

किउसं और ग्रामीण उद्यमियों को सुदृढ़ बनाने के लिए आधुनिक प्रसंस्करण उपकरणों, पैकेजिग नवोन्मेष, ब्रांडिग नीति तथा बाजार संपर्क विकास पर विशेष ध्यान दिया गया। न्यूट्रिहब एकक में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया, तत्पश्चातद इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ पैकेजिग (IIP) का दौरा कराया गया। डॉ. संगप्पा, श्री के श्रीनिवास बाबू , डॉ. सूगण्ण, डॉ. के एन गणपति, डॉ. रफी तथा सुश्री मोनालिषा शामिल दल ने इस कार्यक्रम को सुकर बनाया।

श्री अन्न पर बल : सार्स मेला 2025 में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं किउसं सुर्खियों में

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं किउसं ने विजयनगरम में 28 सितंबर से 8 अक्तूबर 2025 के दौरान संपन्न सार्स (ग्रामीण कारीगर संस्था के सामान की बिक्री) मेला 2025 में भाग लिया, जिसमें श्री अन्न केंद्र में रहे। यह कार्यक्रम ग्रामीण कारीगरों एवं महिला उद्यमियों हेतु अपने उत्पाद प्रदर्शन का एक मंच था। भा श्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित किउसं के स्टाल ने विशेष ध्यान आकृष्ट किया, जिनमें मूल्यवर्धित श्री अन्न उत्पादों का सजीव प्रदर्शन शामिल था। किउसं प्रतिनिधियों ने 2,000 से ज़्यादा आगं तुकों के साथ सदस्यता जुटाने और सामूहिक खेती के बारे में अपने अनुभव साझा किए। उत्पाद गुणता तथा ब्रांडिग पर प्रतिपुष्टि मिली, जिससे बाजार संपर्क तथा उद्यमी आत्मविश्वा स सुदृढ़ हुआ।

मैसूर क्षेत्र के अनुसूचित जाति के किसानों के सशक्तिकरण हेतु यूएएस मांड्या तथा भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का संयुक्त कार्यक्रम

मैसूर क्षेत्र के एससी किसानों को सुदृढ़ बनाने के लिए यूएएस मांड्या तथा भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं ने संयुक्त रूप से अभासअनुप - ज्वार तथा श्री अन्न के एससीएसपी घटक के अंतर्गत एक कार्यक्रम किया। डॉ. के एम हरिनी कुमार तथा डॉ. संगप्पा ने उद्यमिता विकास को बढ़ावा, तथा कुपोषण को दूर करने में श्री अन्न के महत्व पर बल दिया। पचास किसानों में उत्तम गुणतायुक्त बीज एवं तिरपाल वितरित किए गए, एवं श्री अन्न पर कन्नड़ में एक प्रकाशन का विमोचन किया गया।

स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत छात्रों में सफाई व जागरूकता को बढ़ावा

राजेंद्रनगर के गवर्नमेंट हाई स्कूल में छात्रों के बीच सफाई को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम चलाया गया। सफाई अ भियान में 900 छात्रों तथा स्टाप ने भाग लिया। स्वच्छता के संदेश को पोषण हेतु श्री अन्न के महत्व से जोड़ा गया। छात्रों में ज़िम्मेदारी की भावना पैदा की गई, और उन्हें स्वच्छता एवं पोषण को संयुक्त रूप में देखने हेतु प्रेरित किया गया।

ताराटगांव, मोहोल ताल्लुका, सोलापुर जिला के बाढ़ प्रभावित परिवारों की सहायता

ताराटगांव में बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए हाथ बढ़ाया गया। सीना नदी में भारी बाढ़ के कारण हजारों एकड़ जमीन और प शुओं को नुकसान हुआ। डीपीडीकेवी, अकोला के अंतर्गत श्री शिवाजी कृषि महाविद्यालय, अमरावती के एन श्रेणी दल (1989-1993) के कृषि स्नातक समूह ने सामाजिक दायित्व दर्शाया और प्रभावित परिवारों के लिए पैसे जमा किए। पचास परिवारों को ₹ 1500 की उपयोगी चीजें एवं किट बांटे गए। डॉ. बसवराज रायगोड तथा उनके दल ने कार्यक्रम आयोजन में सहायता प्रदान की।

रबी ज्वार केंद्र सोलापुर में अनुसूचित जाति (एससी) के किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, सोलापुर ने 28 अक्तूबर 2025 को श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र के अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी) कार्यक्रम के अंतर्गत अनुसूचित जाति (एससी) किसानों के लिए *"विविध कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों में श्री अन्न प्रौद्योगिकियों के अंगीकरण "* पर सफलतापूर्वक एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

डॉ. के बी कोथ, परियोजना निदेशक, आत्मा ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. परशुराम पात्रोटी ने स्वागत संबधोन तथा सिंहावलोकन प्रस्तुत किया। इसमें 35 किसानों ने भाग लिया, जिन्होंने लाभप्रद श्री अन्न उत्पादन तथा प्रसंस्करण सत्र में भाग लिया। इसमें "अपने श्री अन्न को जाने" एक प्रायोगिक सत्र और एक किसान-वैज्ञानिक इंटरफेस भी शामिल थे। डॉ. नितिनकुमार

रणशूर की उपस्थिति में हुए समापन समारोह के दौरान तिरपाल और प्रमाण-पत्र वितरित गए। प्रशिक्षण के ज़मीनी स्तर पर मूल्यवर्धन पर प्रभाव के बारे में सकारात्मक प्रतिपुष्टियां मिलीं।

पदोन्नति

श्री ए आर लिम्बोरे को 28 अगस्त 2024 से सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी से मुख्य तकनीकी अधिकारी (फ़ील्ड/फ़ार्म) पद पर पदोन्नत किए जाने पर भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान की ओर से हार्दिक बधाई तथा संस्थान उनके समर्पण की सराहना करता है।

क्षेअनुकें, गुड़ामालानी में नए वैज्ञानिक शामिल

डॉ. सोमनाथ नायक, वैज्ञानिक (कृषि विज्ञान) ने 28 अक्तूबर 2025 (पूर्वाह्न) भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र, गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान में कार्यभार ग्रहण किया है।

डॉ. नायक के शामिल होने से केन्द्र के सस्य वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों, विशेषकर सूखे एवं अर्ध -शुष्क क्षेत्रों में श्री अन्न सुधार और सतत श्री अन्न आधारित खेती प्रणाली का क्षेत्र सुदृढ़ होने की आशा है। *श्री अन्न परिवार उनका हार्दिक स्वागत करता है।*

हिंदी चेतना मास समारोह

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 14 सितंबर से 13 अक्तूबर, 2025 के दौरान आयोजित हिंदी चेतना मास समारोह का उद्घाटन डॉ. जी श्याम प्रसाद, प्रभारी निदेशक, भाश्रीअनुसं के द्वारा 16 सितंबर, 2025 को माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के सभी कार्मिकों को राजभाषा प्रतिज्ञा भी दिलाई। हिंदी चेतना मास समारोह के दौरान निबंध लेखन, अनुवाद, आशुभाषण, प्रश्नमंच आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, शोध अध्येता आदि ने बड़े-ही उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। इसके अलावा उक्त चेतना मास के दौरान हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा हिंदी में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने हिंदी में हस्ताक्षर करके कार्यक्रम को सफल बनाया।

संस्थान में 13 अक्तूबर 2025 को हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् गान से हुआ। तत्पश्चात डॉ. जिनु जेकब, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी, हिंदी कक्ष ने समारोह में उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत किया तथा संस्थान में 2024-2025 के दौरान संपन्न राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित विविध कार्यक्रमों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी सहभागियों, निर्णायकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक ने संस्थान में राजाभाषा कार्यान्वयन को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा श्री शेख रुकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी को वार्षिक नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। तत्पश्चात उन्होंने प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं सहभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण -पत्र तथा निर्णायकों को स्मृति चिह्न प्रदान किए।

डॉ. तारा सत्यवती ने अपने संबोधन में कहा कि हमें राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक कार्य करना चाहिए, क्योंकि हमें हमारे प्रयोक्ता वर्ग अर्थात किसान तक पहुंचने में हिंदी तथा स्थानीय भाषाएं ही साथ दे सकती है। हिंदी हमारी राजभाषा है और हमारे दैनंदिन कार्य उसमें करते हुए उसे अपेक्षित गौरव प्रदान करना हमारा दायित्व है। अतः सभी से मेरा निवेदन है कि वे बोलचाल, लेखन आदि में हिंदी का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें और संस्थान में हिंदी को नई ऊंचाइयां प्रदान करें। अंत में डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन, तत्पश्चात राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। संस्थान में संपन्न पूरे हिंदी चेतना मास समारोह के कार्यक्रमों का संचालन एवं समन्वय डॉ. सी तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन निरीक्षण

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 27 अक्तूबर, 2025 को श्री अनिर्बान कुमार विश्वास के द्वारा संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन गतिविधियों का निरीक्षण किया गया। संस्थान में आगमन पर डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती के द्वारा उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात उन्होंने संस्था न के राजभाषा कार्यान्यवन प्रतिवेदन में उल्लिखित बिंदु-प्रति-बिंदु गतिविधियों का निरीक्षण किया तथा राजभाषा कार्यान्वयन के सुचारु संचालन हेतु सराहना करते हुए उनमें तीव्र ता लाने हेतु कुछ सुझाव दिए।

डॉ. अनिर्बान कुमार विश्वास की उपस्थिति में संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें समिति की अध्यक्ष डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक एवं डॉ. बी वेंकटेश भट, डॉ. जिनु जेकब, डॉ. सूगण्ण, श्री शेख रूकमान, श्री पी शिवप्रसाद, श्री राममूर्ती - सदस्य तथा डॉ. महेश कुमार, सदस्य सचिव ने चर्चा में भाग लिया। श्री विश्वास ने समिति को राजभाषा नीति-नियमों से अवगत कराते हुए उनके अनुपालन की अनिवार्यता पर बल दिया। डॉ. सी तारा सत्यवती ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे नीति नियमों का समुचित ढ़ंग से पालन कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। इस पूरे निरीक्षण का समन्वय डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक के मार्गदर्शन में डॉ. महेश कुमार, सहायक तकनीकी अधिकारी (राजभाषा), डॉ. जिनु जेकब, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी – हिंदी तथा श्री पी शिवप्रसाद , प्रशासनिक अधिकारी के द्वारा किया गया।

स्वदेशी खाद्य ज्ञान को पुनर्जीवित करना – सामुदायिक जागरूकता अभियान

स्वदेशी खाद्य ने पोषण, लचीलेपन एवं सांस्कृतिक निरंतरता के माध्यम से पीढ़ियों से मानवता को जीवित रखा है। आधुनिक आहार में उनके महत्व को पुनः उद्घाटित करने के लिए, ग्लोबल अलायंस फॉर इम्प्रूव्ड न्यूट्रिशन (जीएआईएन) के अंतर्गत एक्ट4फूड की खाद्य वैज्ञानिक एवं आहारविद् सुश्री एस उषाश्री ने 25 अक्तूबर 2025 को हैदराबाद के गौलीपुरा के सभागार में *'इंडिजिनस फ़ूड विज़डम'* नामक का एक सामूहिक जागरूकता अभियान का आयोजन किया।

एक्ट4फूड-गेन, युवाओं द्वारा चलाया जाने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है जो वैश्विक खाद्य प्रणाली को बदलने एवं पोषण को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अभियान ने भूख, कुपोषण और अति पोषण का सामना करने हेतु श्री अन्न तथा पारंपरिक खाद्य सामग्री की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. एन कन्नबाबू, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने 'मुख्य अतिथि' के रूप में भाग लिया तथा श्री अन्न की खेती और पोषण के महत्व पर चर्चा की। उन्हों ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में संचालित अनुसंधान एवं विकास प्रयासों के बारे में जानकारी प्रदान की। डॉ. आर वेंकटेश्वर्लू, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं ने अतिथि वक्ता के रूप में दर्शकों को दैनिक आहार में श्री अन्न शामिल करने पर होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में बताया। श्रीमती ए भाग्यलक्ष्मी, कॉर्पोरेटर, गौलीपुरा ने लोगों को दै निक आहार में श्री अन्न शामिल करने हेतु शपथ दिलाई तथा स्वदेशी खाने के तरीकों के अंगीकरण को प्रोत्साहन दिया।

इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी के साथ मुख्य हितधारक - श्री एस नरहरि राव (उप निदेशक, भूमि एवं सर्वेक्षण, तेलंगाना), श्री टी वेंकटनारायण तथा श्री आर दयवनिधि (खाद्य संरक्षा अधिकारी, जीएचएमसी), श्रीमती स्वप्ना (सहायक अभियंता, तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड), और श्री मयादम मधुसूदन (वरिष्ठ प त्रकार तथा विश्लेषक) शामिल थे। गौलीपुरा से सहभागियों ने विशेषज्ञों के साथ चर्चा की, तथा स्वदेशी खाद्य प्रणाली एवं पोषण स्वास्थ्य के अलग -अलग पहलुओं पर जानकारी प्रा प्त की।

समझौते ज्ञापन

समझौता तिथि	अन्य पक्ष/ लाइसेंसधारी	करार ज्ञापन / समझौते ज्ञापन का प्रयोजन	हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकरण		साक्ष्य
			भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं	अन्य पक्ष	
17.10.2025	ट्राई रूट्स ओरिजिस प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	बहु-श्री अन्न कुकीज़, ज्वार प्रीमियम चॉकलेट, चिप कुकीज़, रागी नट डिलाइट बार हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	ट्राई रूट्स ओरिजिस प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	डॉ. अमसिद्ध बी

बैठकों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में सहभागिता – डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं

शीर्षक (अगर प्रपत्र प्रस्तुत किया है तो प्रपत्र का शीर्षक)	आयोजक	स्थल	ऑनलाइन/ प्रत्यक्ष	तिथि
ईएसटीआईसी-2025 के लिए उभरती कृषि प्रौद्योगिकियों (ईएटी) पर कर्टेन रेजर कार्यक्रम	भाकृअनुप-एनडीआरआई, करनाल	भाकृअनुप-एनडीआरआई, करनाल	--	13.10.2025
एजिस ग्राहम बेल अवार्ड (AGBA) वर्चुअल इनोवेशन प्रेजेंटेशन के 16वें एडिशन के दौरान एग्रीकल्चर कैटेगरी के लिए जूरी के रूप मे	इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार	एजिस ग्राहम बेल पुरस्कार	ऑनलाइन	15.10.2025
आंगनवाड़ी लाभार्थियों हेतु एक व्यापक आहार चार्ट तथा खाद्य मॉडल की संस्तुति	महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद	महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग, तेलंगाना सरकार, हैदराबाद	ऑनलाइन	27.10.2025
अनुसंधान सलाहकार समिति (कृषि) की बैठक	राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन - भारत, डीएसटी का स्वायत्त संस्थान, भारत सरकार, गुजरात	पीपीवीएफआरए, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	30.10.2025

अक्तूबर 2025 में प्रशिक्षण आयोजित

क्र.सं.	शीर्षक	तिथि	अवधि (दिनों में)	प्रतिभागियों की संख्या	सहभागी वर्ग (भाकृअनुप कार्मिक, उद्यमी, किसान, छात्र आदि)
1	ओडिशा के अधिकारियों और हितधारकों के लिए कटाई उपरांत प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण	7-10 अक्तूबर 25	4	24	सहायक कृषि अधिकारी, कृषि अधिकारी, ब्लॉक कृषि अधिकारी, मुख्य जिला कृषि अधिकारी, किउसं
2	किउसं परियोजना के अंतर्गत किसान फील्ड स्कूल (एफएफएस) (एआरएस, एएनजीआरएयू, विजयनगरम, आंध्र प्रदेश) में रागी में उत्पादन प्रौद्योगिकियां और मूल्य शृंखला विकास	13-14 अक्तूबर 25	2	40	किसान
3	किउसं परियोजना के अंतर्गत किसान फील्ड स्कूल (एफएफएस) (भाश्रीअनुसं क्षेत्रीय अनुसंधान स्टेशन गुड़ामालानी, राजस्थान में) बाजरा में उत्पादन प्रौद्योगिकियां और मूल्य शृंखला विकास	15-16 अक्तूबर 25	2	20	किसान

व्याख्यान

कार्मिक	तिथि	आयोजक	कार्यक्रम विवरण	विषय	विधि
डॉ. संगप्पा तथा डॉ. रफी	07 अक्तूबर 2025	न्यूट्रिहब, भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	श्री अन्न में उद्यमिता फाउंडेशन कार्यक्रम	श्री अन्न मूल्य शृंखला को सुदृढ़ करने में श्री अन्न किउसं की भूमिका	प्रत्यक्ष
डॉ. संगप्पा तथा श्री अब्बूसेट	14 अक्तूबर 2025	न्यूट्रिहब, भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	श्री अन्न में उद्यमिता फाउंडेशन कार्यक्रम	स्टार्टअप्स को श्री अन्न किउसं से जोड़ना	प्रत्यक्ष
डॉ. संगप्पा तथा डॉ. रफी	31 अक्तूबर 2025	आईआईपीएम, बैंगलोर	मैनेजमेंट स्टूडेंट्स के साथ कॉर्पोरेट चर्चा	श्री अन्न उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए श्री अन्न में व्यापार के अवसर	हाइब्रिड

बैठकों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में सहभागिता – अन्य वैज्ञानिक व अधिकारीगण

कर्मचारी का नाम	तिथि	आयोजक	कार्यक्रम विवरण	प्रकार	विधि
डॉ. संगप्पा	15 अक्तूबर 2025	उद्यमिता विकास केंद्र तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	एसीएबीसी सहभागियों हेतु श्री अन्न एसीएबीसी सहभागियों हेतु श्री अन्न उद्यमिता ज्ञानवर्धन कार्यक्रम	ज्ञानवर्धक दौरा	प्रत्यक्ष
डॉ. संगप्पा	15 अक्तूबर 2025	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	डॉ. जे जयललिता मात्स्यिकी विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के 40 छात्रों हेतु प्रायोगिक अधिगम तथा उद्योग ज्ञानवर्धन	ज्ञानवर्धक दौरा	प्रत्यक्ष
डॉ. एन कन्नबाबू तथा डॉ. आर वेंकटेश्वरलू	25 अक्तूबर 2025	ग्लोबल अलायंस फॉर इम्प्रूव्ड न्यूट्रिशन (जीएआईएन) के अंतर्गत एक्ट4फूड	हैदराबाद के गौलीपुरा में स्वदेशी खाद्य जागरूकता हेतु एक सामुदायिक जागरूकता अभियान	बैठक	
डॉ. विकास कुमार	27-31 अक्तूबर 2025	राकृअनुप्रअ, हैदराबाद	कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के लिए विनियामक दिशानिर्देश	बैठक	प्रत्यक्ष
डॉ. संगप्पा	31 अक्तूबर 2025	राकृअनुप्रअ और भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना के लिए विनियामक दिशानिर्देश	प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रत्यक्ष

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053

दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन

डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. वी वेंकटेश भट

फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा

एच एस गावली

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़, वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in